'पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाया तो पार्टी का बंटाधार हो जाएगा'

वन मंत्री हेमाराम चौधरी के बाद अब सुचित्रा आर्य ने उठाई मांग

- **स्टेट एग्रीकल्चर बोर्ड की उपाध्यक्ष सुचित्रा आर्य ने कहा, ''पायलट आज जहां भी जाते हैं, लाखों आदमी इकट्ठा होते हैं, अगर उन्हें सी.एम. बनाया गया तो सरकार दोबारा बन जाएगी''**
- **आर्य ने कहा, '' 25 सितंबर को टेंट, बसें और इस्तीफों पर जबरन दस्तखत साफ बता रहे थे, अनुशासनहीनता के साथ पार्टी के विरुद्ध षड्यंत्र हुआ है''**

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान की कांग्रेस सरकार में बदलाव को लेकर बयानबाजी का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी लाल बैरवा, मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के बाद पहले वन मंत्री हेमाराम चौधरी ने राजस्थान में जीत के लिए सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाए जाने की आवश्यकता बताई, वहीं अब स्टेट एग्रीकल्चर इंडस्ट्री बोर्ड की उपाध्यक्ष सुत्रित्रा आर्य ने कहा कि सचिन पायलट को अब मुख्यमंत्री बना देना चाहिए, अति हो गई है। पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाया तो पार्टी का बंटाधार हो जाएगा।

मीडिया से बात करते हुए सुचित्रा आर्य ने कहा कि प्रदेश में असमंजस की स्थिति को जल्द से जल्द दूर किया जाना चाहिए। असमंजस के हालात को जल्द दूर नहीं किया तो स्थिति और बिगड़ सकती है। वैसे भी हेमाराम चौधरी का बयान आने के बाद कुछ कहना बाकी नहीं रह गया है। कांग्रेस में सचिन पायलट बड़ा चेहरा हैं। पायलट आज जहां भी जाते हैं, लाखों आदमी उनका भाषण सुनने इकट्ठा होते हैं। अब अति हो गई है। सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बना देना चाहिए। पंजाब वाली स्थिति राजस्थान में नहीं है। सचिन पायलट को सीएम बना दिया जाता है तो सरकार दोबारा बन जाएगी। पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाया तो फिर पार्टी का बंटाधार होगा। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कहा कि राहुल गांधी के राजस्थान में घुसने की देर है। पूरा राजस्थान राहुल के पीछे खड़ा है। राजस्थान में यात्रा को लेकर भारी उत्साह है। इसी के साथ सुचित्रा आर्य ने 25 सितंबर को विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करने वाले तीनों नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करते हुए लिखा था कि 25 सितंबर को टेंट, बसें और इस्तीफों पर जबरन दस्तखत साफ बता रहे थे, अनुशासनहीनता के साथ पार्टी के विरुद्ध षड्यंत्र हुआ। सरकार में प्रमुख ओहदे पर रहते हुए पार्टी हाईकमान की अवहेलना करके अनुशासन तोड़कर दूषित परम्परा कायम करना चाहते थे। उस घटना से संगठन के नेता, कार्यकर्ता तो आहत हैं ही, पार्टी विचारधारा से सहमति रखने वाला आम वोटर भी आहत है। पार्टी को नुकसान पहुंचाने वाले अनैतिक काम को कतई स्वीकार नहीं करना चाहिए, पार्टी हित में कठोर कार्रवाई जरूरी है।

इससे पहले सचिन पायलट समर्थक वन मंत्री हेमाराम चौधरी ने सियासी बवाल के जिम्मेदार तीनों नेताओं पर जल्द कार्रवाई करने और पायलट को जिम्मेदारी देने की मांग उठाते हुए कहा था कि 25 सितंबर को हुए घटनाक्रम के बाद राजस्थान में कांग्रेस कार्यकर्ता व जनता में अनिश्चितता का वातावरण है। सरकार अनिश्चितता से गुजर रही है। हाईकमान को 25 सितंबर की घटना के जिम्मेदार तीनों नेताओं के खिलाफ जल्द कार्रवाई करनी चाहिए। सचिन पायलट ने विपक्ष में रहते हुए पार्टी को फिर से जीवित किया। उनकी वजह से ही पार्टी सत्ता में आई। पायलट ने मेहनत की, उस मेहनत को देखते हुए उन्हें जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। अगर एक तरफा चलेंगे तो पार्टी को नुकसान होगा।

राज्य में दो दिन बाद करोना से फिर एक और संक्रमित की मौत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में दो दिन बाद सोमवार को करोना से फिर एक और मरीज की मौत हुई है। वहीं इस दौरान 20 नए संक्रमित मिले हैं। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में नए संक्रमितों के बराबर रिकवरी होने से एक्टिव केस 209 पर ही बने हुए हैं।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में झुंझुनूं में करोना से एक मरीज की मौत हुई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस बीमारी से 9652 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में सोमवार को 8 जिलों में 20 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को 19 रोगी पाए गए थे। इधर आज राज्य में सबसे ज्यादा 5 नए संक्रमित राजसमंद में मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर व सिरोही में 4-4, नागौर में 3 तथा डूंगरपुर, जयपुर, झुंझुनूं और उदयपुर में एक-एक नया संक्रमित मिला। इस बीच राज्य में केवल 942 जांचे की गई है।

प्रदेश में सोमवार को 20 संक्रमित ठीक हुए हैं। वहीं फिलहाल 209 एक्टिव केस मौजूद है। इनमें राजधानी जयपुर में 72 मरीजों का इलाज चल रहा है। जयपुर में आज केवल मालवीय नगर में 1 नया संक्रमित मिला है।

खेल अफसरों का तनाव दूर करने में मददगार साबित होंगे : डीजीपी

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने सोमवार को जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में आयोजित अष्ठम राजस्थान राज्य सचिव सेवा सी एस चैलेन्जर कप टेनिस प्रतियोगिता 2022-23 के समापन पर विजेता अधिकारियों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया।

जयपुर, (का.सं.)। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने कहा कि खेल मानसिक दक्षता संवर्धन के लिए जरूरी है, इसलिये इस तरह के प्रतियोगिता से अधिकारियों के मध्य सामनजस्य बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि आज प्रशासनिक अधिकारियों का कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण है, ऐसे में खेल काफी हद तक अधिकारियों के तनाव को दूर करने में मददगार साबित होंगे।

मिश्रा सोमवार को जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में आयोजित अष्ठम राजस्थान राज्य सचिव सेवा सी एस चैलेन्जर कप टेनिस प्रतियोगिता 2022-23 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रतियोगिता के समापन समारोह के अवसर पर विजेता अधिकारियों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया। इस मौके पर युवा और खेल मामलात विभाग के शासन सचिव नरेश कुमार ठकराल ने भी संबोधित किया। जयपुर संभागीय आयुक्त अन्तर सिंह नेहरा कार्यक्रम की अध्यक्षता की। समारोह में जयपुर कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने स्वागत संबोधन दिया और प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर सभी जानकारियां साझा की।

19 नवंबर से 21 नवंबर तक आयोजित हुई प्रतियोगिता में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष नवीन महाजन की अगुवाई में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों ने शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल मुकाबले में भारतीय पुलिस सेवा की टीम के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए टेनिस प्रतियोगिता में खिताब अपने नाम कर लिया। सोमवार को एसएमएस स्टेडियम में खेले गए वेर्टन्स डबल्स खिताबी मुकाबले में नवीन महाजन और शरद मेहरा की जोडी ने आईपीएस सौरभ श्रीवास्तव और डॉ. रवि की जोड़ी को 9-3 से हराया तो वहीं, ओपन डबल्स में नवीन महाजन और रवि जैन की जोड़ी ने आईपीएस सुधीर चौधरी और जय यादव की जोड़ी को 9-0 से मात दी।

कर्मचारियों का आंदोलन जारी

जयपुर, (का.सं.)। शहर की निचली अदालत में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के न्यायिक अधिकारी के घर आत्मदाह से जुड़े मामले में अधीनस्थ अदालतों के कर्मचारियों ने सोमवार को भी सामूहिक अवकाश जारी रखा। वहीं घटना की सीबीआई जांच और न्यायिक अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच की मांग के साथ-साथ कर्मचारियों ने मृतक कर्मचारी के आश्रितों को पचास लाख रुपए का मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी की मांग भी जोड़ दी है। वहीं कर्मचारियों ने आंदोलन को तेज करते हुए क्रमिक अनशन शुरु कर दिया है।

मंत्री मीणा ने माइक पर कलेक्टर से कहा, ''आप यहां से जाइए''

- **भाषण के दौरान कलेक्टर फोन पर बात करते दिखे तो बोले मंत्री, ''हमारी बात क्यों नहीं सुन रहे, क्या सरकार पर ब्यूरोक्रेट इतने हावी हो गए हैं?''**
- **इधर जयपुर में डोटासरा बोले बिना तैयारी के आईएएस आते हैं बैठक में**

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस सरकार के मंत्री- विधायकों की अधिकारियों के प्रति नाराजगी आए दिन सामने आती रहती है। इसी नाराजगी के चलते मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास की एसीआर भरने की मांग के साथ अधिकारियों की ओर से जनप्रतिनिधियों को तवज्जो नहीं दिए जाने पर नाराजगी सामने आई है। इसी क्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने जयपुर में एजी अधिकारियों के कार्यक्रम में आईएएस अधिकारियों को निशाने पर लेते हुए कहा कि एजी अधिकारी जहां अपडेट रहते हैं, वहीं आईएएस अधिकारी बिना तैयारी के बैठकों में आ जाते हैं। इसी क्रम में पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा ने बीकानेर में एक कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल के व्यवहार से नाराज होकर उन्हें हॉल से बाहर निकाल दिया।

पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा बीकानेर के रविंद्र रंग मंच पर राजीविका से जुड़ी महिलाओं से संवाद कर रहे थे। उस वक्त कलेक्टर भगवती प्रसाद मोबाइल फोन पर बात कर रहे थे। यह देखकर मंत्री मीणा नाराज हो गए। माइक पर ही उन्होंने कलेक्टर से कहा कि आप यहां से जाइये। तब कलेक्टर बाहर चले गए। बाद में लोगों के बुलाने पर वापस आ गए। यह वाकया तब हुआ, जब कार्यक्रम के दौरान मीणा सरकार की योजनाओं के बारे में बोल रहे थे। इस दौरान मीणा ने पीछे मुड़कर देखा तो कलेक्टर कलाल मोबाइल फोन पर बात कर रहे थे।

इससे नाराज मीणा ने कहा कि हम सरकार की योजनाओं पर बात कर रहे हैं। आप हमारी बात क्यों नहीं सुन रहे हैं। क्या इस सरकार पर ब्यूरोक्रेट इतने हावी हो गए हैं। इस पर कलेक्टर उठकर जाने लगे। मंत्री ने भी कह दिया कि आप यहां से जाइये। इसके बाद कुछ अन्य लोगों ने कॉल किया और कलेक्टर को वापस बुलाया।

कार्यक्रम के बाद में मीणा ने कहा कि कलेक्टर के कामकाज की समीक्षा तो मीटिंग में होगी। हम अच्छा या बुरा तो नहीं जानते, लेकिन कैसा काम किया, ये मीटिंग में पता चलेगा। मैं पहली बार इन कलेक्टर से मिला हूं। अभी तो फोन का इश्यू था, जिस पर उनको कहना पड़ा।

देवगढ़ की घटना मानवता को शर्मसार करने वाली : राठौड़

जयपुर। विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार के राज में राजस्थान जंगलराज का परिचायक बन चुका है। राजसमंद के देवगढ़ में पुजारी दंपती को जिंदा जला देने की घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है। बदमाशों द्वारा घटना को अंजाम देकर फरार हो जाना प्रदेश के लचर कानून व्यवस्था का जीता-जागता प्रमाण है। राठौड़ ने कहा कि बदमाशों के बुलंद हौसलों व प्रशासन की संवेदनहीनता के कारण ही भरतपुर, जयपुर, अजमेर और अब राजसमंद में ऐसी घटनाएं हो रही हैं। अपराधियों का गढ़ बना चुके प्रदेश में ना महिलाएं सुरक्षित हैं, ना व्यापारी और ना ही पुजारी। राठौड़ ने कहा कि आज प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था और पुलिस के खत्म होते इकबाल के कारण ही मरूधरा अशांत प्रदेश में तब्दील होता जा रहा है। कुख्यात गैंगस्टरों की ऐशगाह बन चुके प्रदेश में हर दिन बढ़ती अपराधों की घटनाओं के चलते हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। इन घटनाओं के कारण अपराध के मामलों में प्रदेश एक नया कीर्तिमान रच रहा है, जो हम सबके लिए चिंता का विषय है।

'श्रद्धा हत्याकांड पर सीएम का बयान गैर जिम्मेदाराना'

- **भाजपा प्रदेशाध्क्ष सतीश पूनिया ने कहा कि इतनी वीभत्स घटना को एक सामान्य घटना करार देकर जो तर्क दिए जाएं उसको तर्क नहीं कुतर्क कहा जा सकता है**

जयपुर। दिल्ली के श्रद्धा हत्याकांड मामले को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिए गए बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने जयपुर में मीडिया से बातचीत में कहा कि, मुझे अफसोस हुआ कि तुष्टीकरण की राजनीति की इतनी पराकाष्ठा क्या हो सकती है कि इतनी वीभत्स घटना को एक सामान्य घटना करार दिया जाए और उसके बाद जो तर्क दिए जाएं उसको तर्क नहीं कुतर्क कहा जा सकता है।

क्योंकि यह जो लड़ाई है यह जो घटना है, एक मानसिकता की लड़ाई है, यह विचार की लड़ाई है कि किस तरीके से सुनियोजित षड्यंत्र कर लव जिहाद, लैंड जिहाद, धर्मांतरण और इससे सबसे ज्यादा कोई प्रभावित है तो वह राजस्थान है। पूनिया ने कहा कि यह लड़ाई किसी कम्युनिटी की नहीं है, यह मानसिकता की लड़ाई है, आतंकवाद, अराजकता जैसी घटनाएं और प्रदेश में भीलवाड़ा से लेकर करौली, जोधपुर और उदयपुर तक सीक्वेंस में घटनाएं हुईं हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सूरत में मीडिया से बात करते हुए श्रद्धा केस से जुड़े सवालों पर बीजेपी को निशाने पर लिया था। गहलोत ने कहा कि, ''एक घटना है। घटना दुर्घटना है। ये तो नाम दे दिए गए हैं, जुमले गढ़ दिए गए हैं। आप इसे किसी रूप में ले लीजिए। नई बात नहीं है, सदियों से इंटर कास्ट, इंटर धर्म के नाम पर शादियां होती रही हैं, नई बात नहीं है। आपने (बीजेपी ने) टारगेट बना लिया एक कौम को एक धर्म को, उसके आधार पर आपकी राजनीति चल रही है देश के अंदर।

काम-काज को प्रभावी बनाने का माध्यम भी बने लेखा परीक्षा : राज्यपाल

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने लेखा परीक्षा के कार्य को और बेहतर बनाने एवं इसमें अधिकाधिक पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग पर बल दिया है।

राज्यपाल मिश्र सोमवार को स्टेच्यू सर्किल स्थित महालेखाकार कार्यालय में लेखापरीक्षा सप्ताह के उद्घाटन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों पर व्यय होने वाले धन की निगरानी का दायित्व नियंत्रक और महालेखा परीक्षक अधिकारियों पर ही होता है। लेखा परीक्षा का उद्देश्य सार्वजनिक धन का प्रभावपूर्ण एवं कुशलता से संग्रहण एवं उपयोग सुनिश्चित करते हुए सुशासन को प्रोत्साहन देना और देश के विकास में अधिकाधिक योगदान देना है। उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए महालेखाकार कार्यालय द्वारा लेखापरीक्षा के दौरान सरकार की कमियों को रेखांकित करने के साथ ही काम-काज को और अधिक प्रभावी बनाने एवं गुणवत्ता में सुधार करने हेतु सुझाव भी दिये जाएं।

राज्यपाल ने कहा कि लेखा परीक्षक राजकीय धन के समुचित उपयोग की निगरानी से जुड़े लोकतंत्र के पहरूए हैं।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को स्टेच्यू सर्किल स्थित महालेखाकार कार्यालय में लेखापरीक्षा सप्ताह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव उषा शर्मा और नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया भी मौजूद थे।

रामनगरिया पुलिस ने गैंगस्टर रमजान को अस्पताल से किया गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

- **पंजाब पुलिस के एन्काउंटर में रविवार को घायल हुआ था आरोपी, देर रात ऑपरेशन के बाद सोमवार को उसे एसएमएस अस्पताल से छुट्टी मिली**
- **पंजाब के फरीदकोट में डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह की हत्या के बाद जयपुर में किराये पर कमरा लेकर फरारी काट रहा था आरोपी**
- **गैंगस्टर को शरण देने वाले नोहर निवासी छात्र को भी पुलिस ने दबोचा, उसके भाई को बालसुधार गृह भेजा**

जयपुर। राजधानी के रामनगरिया क्षेत्र में पंजाब पुलिस के एन्काउंटर में घायल हुए हरियाणा के गैंगस्टर राज हुड्डा उर्फ रमजान खान को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल से सोमवार को छुट्टी मिल गई। रविवार देर रात डॉक्टर्स ने उसके घुटने का ऑपरेशन करके गोली निकाल दी। सोमवार को रामनगरिया थाना पुलिस ने अस्पताल से आरोपी को गिरफ्तार किया, अब पुलिस उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। इसके बाद आरोपी को जयपुर पुलिस अदालत में पेश किया जायेगा, तत्पश्चात उसे प्रोडक्शन वारंट पर पंजाब पुलिस को सौंपा जायेगा। उधर रामनगरिया थाना पुलिस ने वांटेड राज हुड्डा को शरण देने के मामले में श्रीगंगानगर के नोहर निवासी छात्र हैप्पी को गिरफ्तार कर लिया। जबकि उसके छोटे भाई को निरूद्ध कर बालसुधार गृह भिजवाया है।

डीसीपी करन शर्मा ने बताया कि पंजाब पुलिस का मोस्ट वांटेड गैंगस्टर रमजान खान उर्फ राज हुड्डा जगतपुरा के ज्ञान विहार कॉलोनी में किराए का कमरा ले कर रहा था। पुलिस की ओर से घेरे जाने के बाद उसे आवाज दी गई तो वह पिस्तौल लेकर भागने लगा। खुद को चारों तरफ से घिरा देखकर रमजान खान ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में रमजान खान के घुटने पर गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने उसे धर-दबोचा था। रमजान खान उर्फ राज हुड्डा को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उपचार के बाद सोमवार को उसे छुट्टी दे दी गई।

ट्रोमा सेंटर के नोडल अधिकारी डॉ.अनुराग धाकड़ ने बताया कि गैंगस्टर राज हुड्डा की हालत अब खतरे से बाहर है और पुलिस सुरक्षा के बीच चिकित्सक लगातार नजर बनाए हुए है। गैंगस्टर के पैर में लगी गोली आर-पार निकल गई थी। इसलिए पैर में गोली तो मौजूद नहीं थी लेकिन उसके कुछ पार्ट फंसे हुए थे। जिससे इंफेक्शन का खतरा बना हुआ था। अब जल्द ही गैंगस्टर की हालत देखकर पुलिस को अस्पताल की ओर से रिपोर्ट दी जाएगी। जिसके बाद आगे का फैसला पुलिस की टीम लेगी। अस्पताल प्रशासन ने अपना काम कर दिया है।

गौरतलब है कि पंजाब के फरीदकोट में डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह की हत्या के मामले में जयपुर में फरारी काट रहे पंजाब के गैंगस्टर राज हुड्डा उर्फ रमजान की रविवार को रामनगरिया थाना इलाके में पुलिस से मुठभेड हो गई थी। जिसके बाद पुलिस की ओर से हुई फायरिंग में एक गोली बदमाश के पैर में लगी थी। पुलिस ने गैंगस्टर को गिरफ्तार कर पहले निजी अस्पताल में भर्ती करवाया था। जिसके बाद रविवार देर रात उसे एसएमएस अस्पताल में लाया गया। यहां पर चिकित्सकों की टीम ने ऑपरेशन कर इलाज किया।

महिला ने अपने पति और भाई से करवाई थी प्रेमी युवक की हत्या

आरोपियों ने जगतपुरा से युवक का अपहरण करके अधमरी हालत में करौली में फेंका था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर के जगतपुरा क्षेत्र से 3 महीने पहले अपहृत युवक की हत्या करके करौली में शव फैंकने की वारदात का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। मृतक प्रेमिका ने ही अपने पति और भाई के साथ प्लानिंग बनाकर इस पूरी वारदात को अंजाम दिया था। जवाहर सर्किल पुलिस ने हत्या के आरोपी महिला छोटी देवी (30) और उसके पति भीम सिंह मीणा को खोहनागोरियान क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। इस वारदात को अंजाम देने वाले शेष बदमाशों की तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है।

डीसीपी करण शर्मा ने बताया कि युवक के मर्डर में आरोपी प्रेमिका छोटी देवी (30) और उसके पति भीम सिंह मीणा (32) निवासी वजीरपुर सवाई माधोपुर को अरेस्ट किया है। सवाई माधोपुर के बजीरपुर निवासी दीपराम मीना (30) ने 28 अगस्त को अपने भाई रामप्रताप उर्फ लाली (19) की हत्या का मामला दर्ज करवाया था। पीड़िता का कहना था कि रामप्रताप सवाई माधोपुर के बजीरपुर में ही रहकर ट्रैक्टर चलता था। ढाणी में रहने वाली भीम सिंह की पत्नी छोटी मीना (32) से उसको प्यार हो गया। गत 6 जुलाई को रामप्रताप ने घर से गहने और नकदी चोरी की और गहनों को बेचकर रामप्रताप और उसकी प्रेमिका छोटी मीना दोनों भागकर जयपुर आ गए। वे दोनों जगतपुरा में किराए से रहकर एक होटल में काम करने लगे।

पुलिस ने बताया कि जयपुर में रहने के दौरान प्रेमिका छोटी देवी ने प्रेमी रामप्रताप की हत्या का प्लान बनाया। प्लानिंग के तहत अपने पति भीम सिंह और भाई पुखराज को जयपुर में रहने का पता बताया। गत 21 अगस्त को छोटी मीना का भाई पुखराज, जगमोहन, रवि, सुरज्ञान और पति भीम ढूंढते हुए जयपुर आ गए। रात करीब 8 बजे कार लेकर पांचों लोग उनके कमरे पर पहुंचे। कार में छोटी देवी के साथ प्रेमी रामप्रताप को भी डाल लिया। आस-पास के लोगों के पूछने पर बोले कि दोनों भागकर आए थे और उन्हें अपने साथ घर ले जा रहे है।

पुलिस के मुताबिक प्रेमिका छोटी देवी के परिजनों ने रामप्रताप के साथ जमकर मारपीट की। गत 22 अगस्त को अधमरी हालत में रामप्रताप को करौली के टोडाभीम में फेंक दिया। दोपहर करीब 2 बजे परिजनों को करौली हॉस्पिटल से रामप्रताप के गंभीर हालत में होने का पता चला। जहां इलाज के दौरान कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई थी। परिजनों ने रामप्रताप का शव लिया तो उसके शरीर पर जगह-जगह मारपीट के निशान मिले। पुलिस ने अगले दिन पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

रामप्रताप की मौत के बाद उसके भाई व अन्य परिजनों ने जयपुर-करौली के कई चक्कर लगाए। भाई के रहने वाले जगह के पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगाला। तब छोटी देवी के परिजन उसके भाई को जबरन किडनैप कर कार में डालकर ले जाते दिखाई दिए। इसके बाद आरोपी अगले दिन छोटी देवी के साथ दुबारा कमरे पर आए औश्र सारा सामान कार की डिग्गी में रखकर कमरा खाली कर दिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर परिजनों को पता चला कि रामप्रताप का अपहरण छोटीदेवी के परिजनों ने किया था। किडनैप कर उसके साथ मारपीट कर अधमरी हालत में करौली में फैंका गया था, जिससे उसकी मौत हो गई।

जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने युवक की हत्या के आरोप में प्रेमिका छोटी देवी और उसके पति भीम सिंह को गिरफ्तार किया।

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में डूबे तीसरे युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ा

जयपुर (कासं)। गजाधरपुरा स्थित जेडीए के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) में चार दिन पूर्व वॉल्व टूटने से चैंबर में डूबे जिस युवक को पुलिस ने जिंदा निकाला था, आखिरकार सोमवार को उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। अब तक इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो चुकी है।

पुलिस ने बताया कि ट्रीटमेंट प्लांट में गत 18 नवंबर को कालवाड़ निवासी युवक सन्नी मीणा व रामकुई पचार निवासी विनोद रैगर की चैंबर में डूबने से मौत हो गई थी। इन दोनों को बचाने के लिए रवि कुमार मीणा भी सीवर चैंबर में उतरा था। वह भी फंस गया था, जिसे पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों व सिविल डिफेंस टीम की मदद से रेस्क्यू कर बाहर निकाल लिया था। रवि का हाथोज के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। रविवार को उसे शहर के एक अन्य निजी अस्पताल में रैफर किया था। जहां कालवाड़ तिराहा बस स्टैंड मीणा मौहल्ला निवासी रवि की सोमवार को मौत हो गई।

उधर रवि मीणा की मौत के बाद उसके परिजनों के साथ बड़ी संख्या में लोग एसटीपी पर एकत्र हो गए और पर्याप्त मुआवजा व मृतक की पत्नी को नौकरी दिलवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। मौजूद अधिकारियों ने धरने पर बैठे मृतक के परिजनों व अन्य लोगों से वार्ता की। बताया जा रहा है कि रवि के उपचार के दौरान अस्पताल के बिल का भुगतान ठेकेदार की ओर से किया जाएगा। तीनों मृतकों के परिजनों को 20-20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता मिलेगी। मृतकों के आश्रितों को जेडीए में संविदा पर नौकरी मिलेगी। जानकारी के मुताबिक मीणा मौहल्ला में एसटीपी हादसे बीते चार दिन में यह दूसरी मौत थी।